BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034

Class VI – SANSKRIT

तिथि - 5 अक्तूबर - 9 अक्तूबर

कक्षा - षष्ठी

विषय - संस्कृत

कालान्श - 1

उपविषय - कर्ता कारकः सम्बोधनम् च

सहायक सामग्री - ई पाठ - पाठ्यपुस्तिका

शिक्षण अधिगम - कर्ता एवं संबोधन कारक पर आधारित पाठ द्वारा कारक प्रकरण को करने की सक्षमता का विकास ।

BBPS,PITAMPURA

9 कर्तृकारकः सम्बोधनं च

प्रस्तुत पाठ में कर्ता कारक एवं सम्बोधन का अध्ययन किया जाएगा। 'कर्ता' शब्द वाक्य में किसी को बुलाने के लिए 'सम्बोधन' का प्रयोग करता है अत: हम इन दोनों कारकों का अध्ययन साथ-साथ ही करेंगे।

कर्ता

क्रिया को स्वतंत्र रूप से करने वाले को 'कर्ता' कहते हैं, जैसे—'अशोक: पाठं पठति।' यहाँ 'पठति' क्रिया को करने वाला 'अशोक' है इसलिए यह कर्ता है। कर्ता कारक के लिए प्रथमा विभक्ति का प्रयोग किया जाता है। इसका चिह्न 'ने' होता है। 'कर्ता' शब्द संज्ञा या सर्वनाम कोई भी हो सकता है।

कर्ता कारक — रूपाणि

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
पुल्लिङ्ग	बालक: (एक बालक ने)	बालकौ (दो बालकों ने)	बालका: (अनेक बालकों ने)
स्त्रीलिङ्ग	बालिका (एक बालिका ने)	बालिके (दो बालिकाओं ने)	बालिका: (अनेक बालिकाओं ने)
नपुंसकलिङ्ग	फलम् (एक फल ने)	फले (दो फलों ने)	फलानि (अनेक फलों ने)

यदि कर्ता कारक में 'ने' चिह्न की आवश्यकता न हो तो उसका प्रयोग नहीं किया जाता। जैसे—बालक: - एक बालक।

कर्ता कारक में 'किम्' शब्द के रूपों का प्रयोग

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
पुल्लिङ्ग	क: (किसने)	कौ (किन दोनों ने)	के (किन सबने)
स्त्रीलिङ्ग	का (किसने)	के (किन दोनों ने)	का: (किन सबने)
नपुंसकलिङ्ग	किम् (क्या)	के (क्या दो)	कानि (क्या सब)

कर्ता कारक का वाक्यों में प्रयोग

पुल्लिङ्ग

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
कः गच्छति ?	कौ धावतः ?	के नमन्ति ?
छात्रः गच्छति।	मृगौ धावतः।	भक्ताः नमन्ति।

स्त्रीलिङ्ग

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
का पाठयति ?	के पचतः ?	काः गायन्ति ?
शिक्षिका पाठयति।	ललने पचतः।	गायिकाः गायन्ति।

नपुंसकलिङ्ग

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
	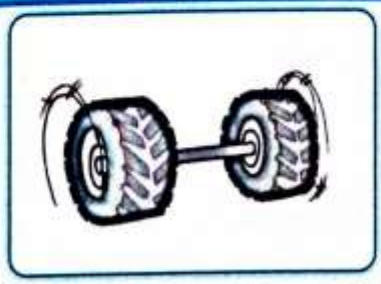	
किम् पतति ?	के भ्रमतः ?	कानि विकसन्ति ?
पत्रम् पतति।	चक्रे भ्रमतः।	पुष्पाणि विकसन्ति।

9. कर्ता-कारकः सम्बोधनं च

पाठ का हिंदी सार

पुल्लिङ्ग

एकवचन	**द्विवचन**	**बहुवचन**
कौन जाता है ?	कौन दो जाते हैं ?	कौन नमस्कार करते हैं ?
एक छात्र जाता है।	दो हिरण जाते हैं।	अनेक भक्त नमस्कार करते है।

स्त्रीलिङ्ग

कौन पढ़ाती है ?	कौन दो पकाती हैं ?	कौन गाती हैं ?
एक अध्यापिका पढ़ाती है।	दो औरतें पकाती हैं।	अनेक गायिकाएँ गाती हैं।

नपुंसकलिङ्ग

क्या गिरता है ?	कौन दो घूमते हैं ?	क्या खिलते हैं ?
एक पत्ता गिरता है।	दो पहिए घूमते हैं।	अनेक फूल खिलते हैं।

सम्बोधनम्

किसी को अपनी ओर बुलाना या दूर से पुकारना 'सम्बोधन' कहलाता है। इसके चिह्न हे! अरे! भो! होते हैं, जैसे—हे बालक! त्वं कुत्र गच्छसि ? (अरे बालक! तुम कहाँ जा रहे हो ?)

सम्बोधन रूपाणि

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
पुल्लिङ्ग	हे बालक! (हे एक बालक!)	हे बालकौ! (हे दो बालकों!)	हे बालकाः! (हे अनेक बालकों)
स्त्रीलिङ्ग	हे बालिके! (हे एक बालिका!)	हे बालिके!) (हे दो बालिकाओं!)	हे बालिकाः! (हे अनेक बालिकाओं!)
नपुंसकलिङ्ग	हे फल! (हे एक फल!)	हे फले! (हे दो फलों!)	हे फलानि! (हे अनेक फलों!)

सम्बोधन में वाक्य-प्रयोग

प्रथमः वार्तालापः

गीता – हे रचने! त्वं कुत्र गच्छसि?

रचना – हे गीते! अहं विद्यालयं गच्छामि।
त्वं किं करोषि?

गीता – हे रचने! अहं पाठं स्मरामि।
अधुना अहम् अपि चलामि।

द्वितीयः वार्तालापः

विपिनः – हे अशोक! त्वं किं करोषि?

अशोकः – अहं तरामि।
हे विपिन! किं त्वम् अपि आगच्छसि?

विपिन – हे अशोक! अहम् अपि तत्र आगच्छामि।

अशोकः विपिनः च – आम्, अधुना आवां तरावः।

TAM

सम्बोधन में वाक्य प्रयोग

प्रथम वार्तालाप
गीता - हे रचना! तुम कहाँ जा रही हो?
रचना - हे गीता! मैं विद्यालय जा रही हूँ।
तुम क्या कर रही हो?
गीता - हे रचना! मैं पाठ याद कर रही हूँ।
अब मैं भी चलती हूँ।

द्वितीय वार्तालाप
विपिन - हे अशोक! तुम क्या कर रहे हो?
अशोक - मैं तैर रहा हूँ।
हे विपिन! क्या तुम भी आ रहे हो?
विपिन - हे अशोक! मैं भी वहाँ आ रहा हूँ।
अशोक और विपिन - हाँ! अब हम दोनों
तैरते हैं।

अभ्यासः

1. कोष्ठकात् शुद्धं पदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत। (कोष्ठक से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान पूरे कीजिए।)

Choose the correct word from the bracket and fill in the blanks..

(क) सैनिकौ ..... । (रक्षथः, रक्षतः)

(ख) ..... महिले स्वः। (अहम्, आवाम्)

(ग) ..... पचन्ति। (तौ, ताः)

(घ) मित्राणि ..... । (क्रीडन्ति, क्रीडति)

(ङ) ..... तरति। (हंसाः, हंसः)

2. निम्नकर्तृपदानि उचित क्रियापदैः सह मेलयत। (निम्न कर्ता पदों को उचित क्रिया पदों से मिलाइए।)

Match the following subjects with the correct verbs.

(क)	फलानि	गायसि
(ख)	अहम्	वदति
(ग)	बाला	लिखामि
(घ)	त्वम्	पतन्ति
(ङ)	बालिके	विकसन्ति
(च)	पुष्पाणि	पठतः

3. 'किम्' शब्दस्य सहायतया रञ्जितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत। ('किम्' शब्द की सहायता से रंगीन पदों के आधार पर प्रश्न-निर्माण कीजिए।)

Frame the questions on basis of coloured words..

(क) छात्रः पठति। .....

(ख) महिला पूजयति। .....

(ग) गजाः खादन्ति। .....

(घ) आम्राणि पतन्ति। .....

(ङ) सिंहौ चलतः। .....

4. रिक्तस्थानेषु कोष्ठगतशब्दानाम् सम्बोधनरूपाणि लिखत। (रिक्त स्थानों में कोष्ठक में दिए गए शब्दों के 'सम्बोधन' के रूप लिखिए।)

Fill in the blanks with appropriate form of the words given in brackets.

(क) ..... ! त्वं कुत्र गच्छसि ? (नमिता)

(ख) ..... ! युवां नृत्यथः। (बालिका)

(ग) ..... ! यूयं तीव्रं धावथ। (वानर)

(घ) ..... ! युवां कदा क्रीडथः ? (मित्र)

(ङ) ..... ! त्वं उच्चैः वदसि। (काक)

5. संस्कृतेन अनुवादं कुरुत। (संस्कृत में अनुवाद कीजिए।)

Translate into Sanskrit.

(क) हे लतिका! तुम कहाँ पढ़ती हो ? .....

(ख) दो कोयलें गाती हैं। .....

(ग) हे मित्र! मैं चलता हूँ। .....

(घ) अनेक आदमी घूमते हैं। .....

BBPS,PITA